CHOITHRAM SCHOOL, MANIKBAGH

ANNUAL PADAGOGICAL PLAN-7th HINDI (TERM-1)

SESSION-2023-2024

WHAT ARE THE PROBLEMS ?	COMPILATION OF PROBLEMS.	CATEGORISATION OF PROBLEMS [SPECIFIC AND BEHAVIOURAL]
वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ - की-कि,दिया-दीया,लौटा-लोटा आदि।र् से संबंधी अशुद्धियाँ- कर्म-करम,कार्य -कारयआदि। संयुक्ताक्षरों को लिखने एवं बोलने में असमर्थ	वर्तनी प्रयोग से संबंधी समझ एवं शाब्दिक प्रयोग में समस्या	**विशिष्ट विषयपरक समस्या -** वर्तनीगत एवं उच्चारण से संबंधित अशुद्धियाँ , उचित शब्दावली एवं मानक
उच्चारण-धर्म का धरम, क्यों का क्यूँ, मेहनत प्रयोग-हम को अपन, मुझे को मेको,ठीक है को ठीके आदि। क्षेत्रीय भाषा का प्रयोग-व-ब ,श-स के उच्चारण से संबंधित।	उच्चारण से संबंधी एवं मानक शब्दों के प्रयोग से संबंधित समस्या	कल्पनाशीलता का अभाव , शब्द - भंडार का अभाव , मौलिकता का अभाव
अनुसार , व्याकरण के नियमों के अनुसार वाक्य रचना में कठिनाई। उचित अन्वय का प्रयोग न करना।उचित शब्दावली का प्रयोग	उचित शब्दावली एवं विराम चिह्नों का उचित प्रयोग न करने के कारण वाक्य-विन्यास में समस्या	
<u>लेखन -कौशल से संबंधी समस्या</u> से संबंधी अशुद्धियाँ अधिक । विचारों को क्रमबद्ध रूप से समायोजित न कर पाना। मौलिकता का अभाव , विषय से संबद्ध न करना , बिन्दुओं को क्रमवार	विषयानुरूप भाषा एवं उचित शब्दावली का चयन करने में समस्या, मौलिकता , संबद्धता एवं क्रमवार विस्तृत वर्णन में कठिनाई । प्रारूप समझने में कठिनाई।स्तरानुकूल प्रस्तुतिकरण में समस्या।	संबद्धता एवं क्रमवार विस्तृत वर्णन में कठिनाई । प्रारूप समझने में कठिनाई ।स्तरानुकूल प्रस्तुतिकरण में समस्या।क्षेत्रीय भाषा का प्रभाव।

पत्र - लेखन - प्रारूप लेखन में त्रुटियाँ जैसे- पता , दिनांक , विषय , संबोधन आदि से		
होना। शीर्षक -चयन एवं वर्णन में कठिनाई। चित्र के आधार पर संदेश न देने में असमर्थ।		
, आरंभ , क्रमिक विकास ,संवाद -चयन एवं रोचक बनाने के लिए प्रसंगों एवं घटनाओं का संतुलित विस्तार ,भाषा की सरलता एवं स्पष्टता में कठिनाई। विषय-वस्तु को		
अपठित -बोध -		
-ग्रहण में असमर्थ , एकाग्र होकर गद्य का वाचन न करने से कठिन शब्दों को न समझ पाना , वाचन की पुनरावृत्ति न करना , प्रश्न		
पठन-कौशल से संबंधी समस्या - त्रुटियाँ, वर्तनी से संबंधी उच्चारण करने में असमर्थ ,उचित आरोह-अवरोह के साथ भावानुकूल वाचन न करना , अस्पष्ट उच्चारण। अतिरिक्त वाचन की कमी के	वर्तनीगत अशुद्धियाँ , उचित आरोह-अवरोह एवं धारा प्रवाह के साथ वाचन में कठिनाई । वैचारिक तालमेल के साथ भावानुकूल अभिव्यक्ति में असमर्थ । शब्द-भंडार एवं अर्थ-बोध का अभाव।	उचित आरोह -अवरोह के साथ धाराप्रवाह वाचन में कठिनाई , अर्थबोध का अभाव , सार्थक अभिव्यक्ति में वैचारिक तालमेल एवं वाक्य-विन्यास का अभाव
- हाव-भाव , आरोह-अवरोह , एवं शारीरिक चेष्टाओं के साथ अभिव्यक्ति में असमर्थ। आत्मविश्वास की कमी। भावानुकूल वाचन न होने के कारण प्रभावी एवं विषयानुकूल		**व्यावहारिक समस्या -** आत्मविश्वास का अभाव , एकाग्रता , रूचि एवं रचनात्मकता का अभाव , सक्रिय रूप से अभिव्यक्ति करने में झिझक , भावानुकूल अभिव्यक्ति में असमर्थ।
श्रवण -कौशल से संबंधी समस्या- और विषय में संबद्धता का अभाव।	एकाग्रता , रूचि , जिज्ञासा एवं रचनात्मकता का अभाव। औपचारिक चर्चा में सक्रियता का	

में असमर्थ, शब्दों के उच्चारण एवं स्वाभाविक उतार -चढ़ाव से परिचित न होना। विषय में रूचि एवं एकाग्रता का अभाव , जिज्ञासा एवं रचनात्मकता का अभाव , औपचारिक विषयों एवं संदर्भों में चर्चा के दौरान सक्रियता का	अभाव।	